गोधन न्याय योजना नगर पालिक निगम भिलाई

गोधन न्याय योजना
नगर पालिक निगम भिलाई

गोधन न्याय योजना माननीय मुख्यमंत्री जी की महत्वकांक्षी योजना है। यह योजना 20 जुलाई 2020 को हरेली उत्सव के अवसर पर शुरू की गई थी। इस योजना के माध्यम से सरकार पशुपालकों की आय का एक स्रोत प्रदान कर रही है, राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है और एसएचजी महिलाओं को आजीविका प्रदान कर रही है। योजना के लाभार्थी पशुपालक हैं। इस योजना के तहत पंजीकृत पशुपालकों से गाय का गोबर 2 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदा जाता है। इसका उद्देश्य गाय के गोबर को वर्मीकम्पोस्ट में बदलने के लिए केंचुओं का उपयोग करके वर्मी कम्पोस्ट तैयार करना है। इस प्रक्रिया में खुले स्थान पर प्रारंभिक 15-20 दिनों का समय लगता है और उसके बाद 90 दिनों के प्रसंस्करण के बाद कम्पोस्ट बेड में वर्मीकम्पोस्ट में परिवर्तित हो जाता है।

संचालित गौठानो की संख्या – 04

पंजीकृत पशुपालको की संख्या – 565

कार्यरत स्व सहायता समूह की संख्या – 04

कार्यरत महिलाओ की कुल संख्या – 58

अद्यतन क्रय किये गये गोबर की मात्रा- 9689.41 क्विंटल

अद्यतन वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन एवं विक्रय – 1438.25 क्विंटल

अद्यतन सुपर कम्पोस्ट उत्पादन एवं विक्रय – 800.00 क्विंटल

वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट से प्राप्त आय – 18.46 लाख

कंडे,मूर्तियाँ,दीये,अगरबत्ती,धूपबत्ती इत्यादि के विक्रय से अनुमानित आय – 7.08 लाख

- छत्तीसगढ़ी त्यौहार हरेली एवं गोवर्धन पूजा, गोपाष्टमी गौठान में प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा गोवर्धन पूजा को गौठान दिवस के रूप में मनाने की अपील की गयी थी जिस अवसर पर गौठान में गोठान दिवस का आयोजन किया गया |

- स्व सहायता समूह की महिलाओ द्वारा गोबर से बने गयी कलाकृतियों का प्रदर्शन |

स्वावलंबन शहर के 11 स्थानों पर लगाए गए हैं स्टाल, खरीदारी में लोग भी ले रहे रुचि

गोबर से बने दीये और मूर्ति, निगम ने लगवाए स्टाल

भिलाई (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर गोठान में बनाए गए गोबर के दीये और मूर्तियों की बिक्री के लिए निगम ने शहर भर में 11 स्थानों पर स्टाल लगवाए हैं। जहां पर महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं गोबर से बने उत्पाद की बिक्री कर रही हैं। गोबर से बने इन उत्पादों को अच्छा प्रतिसाद भी मिल रहा है। उत्पादों का चटक रंग लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी एवं नोडल अधिकारी सुनील अग्रहरि ने सभी स्टाल का जायजा लिया और महिलाओं को प्रेरित किया। गोबर से बने उत्पादों के विक्रय के लिए निगम मुख्य कार्यालय, सूर्या माल, जोन-2 निगम कार्यालय, हाउसिंग बोर्ड पौनी पसारी, जोन-3 निगम कार्यालय, जोन-4 पावर हाउस बस स्टैंड एवं आइटीआइ के पीछे गोधन न्याय योजना केंद्र, जोन-5 सेक्टर-6 ए मार्केट, सेक्टर-6 साई मंदिर के सामने स्टाल लगाया गया है। स्टाल में गोबर से बने चटक रंगों के दीये और मूर्तियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सूर्या माल में शॉपिंग करने आई यामिनी साहू की नजर स्टाल पर पड़ी तो वो गोबर से बने दीये को खरीदने के लिए उत्साहित हो गई। उन्होंने बताया कि चाइनीज झालर से अच्छा है कि प्राकृतिक रूप से बने दीये के उपयोग कर घर को रोशन करें। इससे हम पारंपरिक त्योहार में प्रकृति से जुड़ते है। खुर्सीपार के दिनेश ने गोधन केन्द्र से दीया खरीदते हुए बताया कि गोबर से निर्मित दीये व अन्य वस्तुएं उन्होंने त्योहार में सजाने के लिए खरीदा है। यह पूर्ण रूप से ईको फ्रेंडली है। एक बार इसका उपयोग करने के पश्चात खाद के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। एनयूएलएम के अमन पटले ने बताया कि अब तक जोन-1 में 18 हजार दीये, जोन-3 में चार हजार दीये तथा जोन-4 में 30 हजार दीये और पूजा के लिए मूर्तियां बन चुकी हैं।

सूर्या माल में लगे स्टाल में गोबर के दीये पसंद करती महिलाएं। नईदुनिया

धन्यवाद